VOLUME: 12 | www.rntu.ac.in | March - April, 2026

"नारी शक्ति : एआई जागरूकता के माध्यम से महिला सशक्तिकरण" कार्यक्रम का सफल आयोजन

3rd April: रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय (RNTU) में 03 अप्रैल 2026 को "नारी शक्ति : एआई जागरूकता के माध्यम से महिला सशक्तिकरण" विषय पर एक प्रेरणादायी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence) के महत्व से परिचित कराते हुए उन्हें तकनीकी रूप से सशक्त बनाना था। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर ऊर्जा, उत्साह एवं रचनात्मकता से परिपूर्ण दिखाई दिया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं विभिन्न क्षेत्रों से आई महिलाओं की उल्लेखनीय सहभागिता रही।

कार्यक्रम की विशेष आकर्षण होशंगाबाद से आई 150 से अधिक महिला उद्यमियों की सहभागिता रही, जिन्होंने अपने उत्साह, आत्मविश्वास और सपनों से पूरे मंच को जीवंत बना दिया। उनकी उपस्थिति ने यह संदेश दिया कि आज की महिलाएँ केवल समाज का अभिन्न हिस्सा ही नहीं, बल्कि विकास और नवाचार की अग्रदूत भी हैं।

इस अवसर पर डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स (प्रति कुलाधिपति, आर एन टी यु) ने AISECT INDIA तथा महिला उद्यमिता के महत्व पर प्रेरणादायी विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता और तकनीकी ज्ञान महिलाओं के आत्मनिर्भर एवं सशक्त भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। वहीं विश्वविद्यालय की कुलसचिव डॉ. संगीता जौहरी ने विश्वविद्यालय की विभिन्न उपलब्धियों, नवाचारों तथा शैक्षणिक गतिविधियों का विस्तृत परिचय देते हुए विद्यार्थियों एवं महिलाओं को शिक्षा एवं कौशल विकास के माध्यम से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने भी सभी का मन मोह लिया। नृत्य से लेकर संगीत तक, प्रत्येक प्रस्तुति ने उपस्थित जनों को भावविभोर कर दिया।

सुश्री नीरजा तिवारी के मनमोहक नृत्य प्रदर्शन तथा डॉ. हर्षा शर्मा की मधुर गायन प्रस्तुति ने कार्यक्रम में विशेष आकर्षण जोड़ा और दर्शकों की खूब सराहना प्राप्त की।

ज्ञानवर्धक सत्रों की श्रृंखला में डॉ. कोकिला ने क्लिनिकल साइकोलॉजी के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए मानसिक स्वास्थ्य एवं आत्मविश्वास के महत्व को समझाया। सुश्री श्वेता दुआ ने आधुनिक परिवेश में प्रभावी पेरेंटिंग पर अपने विचार साझा किए, जबकि डॉ. स्वर्णांगिनी सिन्हा ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते प्रभाव, उपयोगिता एवं भविष्य की संभावनाओं पर विस्तृत एवं प्रेरणादायी चर्चा प्रस्तुत की।

कार्यक्रम का सफल संचालन श्री सतीश बिल्लोरे एवं कौशल समिति के समन्वित प्रयासों से संपन्न हुआ। आयोजन की सुव्यवस्थित व्यवस्थाओं एवं सकारात्मक वातावरण ने सभी प्रतिभागियों को प्रभावित किया।

यह आयोजन केवल एक जागरूकता कार्यक्रम भर नहीं था, बल्कि नारी शक्ति, ज्ञान, कला एवं तकनीकी जागरूकता का अद्भुत संगम सिद्ध हुआ। कार्यक्रम ने महिलाओं को आत्मविश्वास, नवाचार और नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए समाज में सकारात्मक परिवर्तन का संदेश दिया।

कुलाधिपति संतोष चौबे 'राष्ट्रीय शबद निरंतर सम्मान–2026' से सम्मानित

पद्मश्री प्रहलादसिंह टिपाणिया, पद्मश्री कालूराम बामनिया, पद्मश्री भेरूसिंह चौहान ने किया सम्मानित

14th April: भोपाल। रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति, वरिष्ठ कवि-कथाकार एवं 'विश्व रंग' के निदेशक श्री संतोष चौबे को कबीर जन विकास समूह द्वारा आयोजित "कबीर जन उत्सव–2026" में प्रतिष्ठित "राष्ट्रीय शबद निरंतर सम्मान–2026" से सम्मानित किया गया। यह सम्मान समारोह इंदौर स्थित एग्रीकल्चर कॉलेज परिसर में आयोजित हुआ।

विश्व प्रसिद्ध कबीर लोकगायक पद्मश्री प्रहलादसिंह टिपाणिया, पद्मश्री कालूराम बामनिया एवं पद्मश्री भेरूसिंह चौहान ने अपने करकमलों से श्री संतोष चौबे को यह सम्मान प्रदान किया। यह सम्मान साहित्य, संस्कृति और भारतीय चिंतन पर उनके निरंतर योगदान तथा कबीर दर्शन को जन-जन तक पहुंचाने के प्रयासों के लिए प्रदान किया गया।

विश्व को बहुत जरूरत हैं कबीर के ढाई आखर प्रेम की–संतोष चौबे

इस अवसर पर श्री संतोष चौबे ने "वर्तमान संदर्भ में कबीर की जरूरत" विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि कबीर की प्रासंगिकता केवल वर्तमान समय तक सीमित नहीं है, बल्कि मानवता के अस्तित्व तक सदैव बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि आज जब विश्व के अनेक हिस्से युद्ध, हिंसा और असहिष्णुता से जूझ रहे हैं, तब कबीर का प्रेम, करुणा और जीव मात्र के प्रति दयाभाव का संदेश अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। उन्होंने कहा कि आज पूरे विश्व को कबीर के "ढाई आखर प्रेम" की सबसे अधिक आवश्यकता है।

अपने उद्बोधन में उन्होंने कबीर को उत्तर भारत के भक्ति आंदोलन का प्रथम कवि बताते हुए भारतीय आधुनिकता का प्रतिनिधि व्यक्तित्व कहा। उन्होंने कहा कि कबीर की वाणी में प्रेम, करुणा और तार्किकता का अद्भुत समन्वय देखने को मिलता है। आधुनिक तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते प्रभाव का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि आज लोग गूगल और एआई को गुरु मानने लगे हैं, किंतु इन माध्यमों में भावनात्मक संबल का अभाव है, जबकि कबीर की वाणी मनुष्य को आत्मिक और मानवीय आधार प्रदान करती है।

कार्यक्रम के दौरान विश्व प्रसिद्ध लोकगायकों द्वारा कबीर के पदों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गईं, जिन्हें उपस्थित जनसमूह ने अत्यंत सराहा। कार्यक्रम में समाजसेवी अनिल भंडारी, राजेन्द्र गोयल एवं भागचंद पटेल विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत सुरेश पटेल एवं चारूशिला मौर्य ने किया, जबकि संचालन छोटू भारती द्वारा किया गया।

I-STEM द्वारा शोध एवं नवाचार में उत्कृष्ट योगदान हेतु आईसेक्ट ग्रुप ऑफ यूनिवर्सिटीज़ सम्मानित

सार्वजनिक शोध अवसंरचना को नवाचार एवं वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए सुलभ बनाने पर मिला राष्ट्रीय स्तर का सम्मान

11th March: भोपाल। आईसेक्ट ग्रुप ऑफ यूनिवर्सिटीज़ (AGU) को इंडियन साइंस, टेक्नोलॉजी एंड इंजीनियरिंग फैसिलिटीज मैप (I-STEM) के अंतर्गत "प्रशस्ति प्रमाण-पत्र" से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान संस्थान को वैज्ञानिक अनुसंधान अवसंरचना को शोध एवं नवाचार के लिए सुलभ बनाने में उल्लेखनीय योगदान हेतु प्रदान किया गया।

यह सम्मान भारत सरकार के प्रिंसिपल साइंटिफिक एडवाइज़र कार्यालय की वैज्ञानिक सचिव डॉ. परविंदर मैनी द्वारा प्रदान किया गया। संस्थान की ओर से यह सम्मान आईसेक्ट ग्रुप ऑफ यूनिवर्सिटीज़ की रिसर्च निदेशक प्रो. (डॉ.) रचना चतुर्वेदी ने प्राप्त किया।

आईसेक्ट ग्रुप ऑफ यूनिवर्सिटीज़ को यह मान्यता I-STEM के "ओपन: द लैब नेशनल चैलेंज" के अंतर्गत उसके संस्थागत योगदान के लिए प्रदान की गई है। एजीयू समूह के अंतर्गत मध्यप्रदेश स्थित रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, डॉ. सी. वी. रामन विश्वविद्यालय खंडवा तथा छत्तीसगढ़ स्थित डॉ. सी. वी. रामन विश्वविद्यालय बिलासपुर द्वारा सार्वजनिक रूप से वित्तपोषित अनुसंधान अवसंरचना को शोधकर्ताओं, नवाचारकर्ताओं एवं विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क उपलब्ध कराया गया है।

यह सम्मान संस्थान की उस दूरदर्शी पहल को रेखांकित करता है, जिसके माध्यम से महिला शोधकर्ताओं, नवाचारकर्ताओं तथा ग्रामीण एवं भौगोलिक रूप से वंचित क्षेत्रों से जुड़े प्रतिभागियों को उन्नत वैज्ञानिक सुविधाओं तक समान एवं संरचित पहुंच सुनिश्चित की जा रही है। इस पहल से देश के वैज्ञानिक एवं नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र में समावेशी भागीदारी को बढ़ावा मिल रहा है।

इस अवसर पर आईसेक्ट ग्रुप ऑफ यूनिवर्सिटीज़ की निदेशक डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि संस्थान समावेशी नवाचार, सहयोगात्मक वैज्ञानिक अवसंरचना तथा गुणवत्तापूर्ण शोध संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि आईसेक्ट ग्रुप ऑफ यूनिवर्सिटीज़ भविष्य में भी शोध एवं नवाचार के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करने हेतु अपने प्रयासों को और अधिक सशक्त बनाता रहेगा।

SAMARTH BHARAT CONCLAVE 2026 CHARTS ROADMAP FOR INCLUSIVE AND AI-DRIVEN DEVELOPMENT

5th SAMARTH BHARAT CONCLAVE

23rd April: :The 5th Samarth Bharat Conclave 2026 concluded successfully at the Kushabhau Thakre International Convention Centre, bringing together policymakers, industry leaders, academicians, financial institutions, and social innovators to discuss India's journey toward a developed nation by 2047. Centered on the theme, "Reimagining Impact: AI-Driven Skilling, Financial Inclusion, and Social Enterprise for Viksit Bharat," the two-day conclave focused on leveraging technology for grassroots transformation.

Inaugurating the event, Madhya Pradesh Governor Shri Mangubhai Patel emphasized the importance of digital inclusion and AI-enabled education. The conclave witnessed several strategic partnerships aimed at strengthening future-ready skills, creative technologies, and social entrepreneurship. Discussions on financial inclusion highlighted the role of digital banking in empowering rural communities, while experts from leading institutions shared insights on expanding access to banking and skill development. The conclave concluded with a collective commitment to advancing AI literacy, innovation, and inclusive growth across India.

'अभ्युदय भारत 2026' के अंतर्गत रबींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में भगवान बिरसा मुंडा पर विशेष व्याख्यान एवं सांस्कृतिक आयोजन संपन्न

चित्रकला, नाटक एवं विशेष व्याख्यान के माध्यम से विद्यार्थियों को जनजातीय चेतना और भारतीय सांस्कृतिक विरासत से कराया परिचित

14th March: भोपाल। 10-03-26- निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग, मध्यप्रदेश के निर्देशानुसार रबींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में 'अभ्युदय भारत 2026' के अंतर्गत चित्रकला प्रतियोगिता, भगवान बिरसा मुंडा विषय पर विशेष व्याख्यान एवं नाटक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपनी रचनात्मक एवं सांस्कृतिक प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

मानविकी एवं उदार कला संकाय द्वारा आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने भारतीय संस्कृति, परंपरा एवं राष्ट्रनायकों से जुड़े विषयों को आकर्षक कलात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में राखी कुलस्ते ने प्रथम, ललित मोहन पाल ने द्वितीय तथा सोनिया मीणा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

भगवान बिरसा मुंडा विषय पर आयोजित विशेष व्याख्यान में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक एवं क्षेत्रीय गौसेवा प्रमुख श्री बृज किशोर भार्गव ने बिरसा मुंडा के जीवन, संघर्ष एवं जनजातीय समाज के उत्थान में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा वनवासी समाज की अस्मिता, स्वाभिमान और सांस्कृतिक चेतना के प्रतीक थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलगुरु प्रो.(डॉ) रवि प्रकाश दुबे ने की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में राष्ट्रीय चेतना एवं भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

इस अवसर पर भगवान बिरसा मुंडा के जीवन पर आधारित नाटक प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें टैगोर नाट्य विद्यालय ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया तथा धन्यवाद ज्ञापन मानविकी एवं उदार कला संकाय की अधिष्ठाता डॉ. रुचि मिश्र तिवारी द्वारा प्रस्तुत किया गया।

RNTU Celebrates Shakespeare Through Theatre and Creative Expression

24th March: Bhopal. The Department of Humanities and Liberal Arts at Rabindranath Tagore University (RNTU) organized "Fete de Shakespeare" on April 24, 2026, celebrating the literary brilliance and theatrical legacy of William Shakespeare through an engaging cultural programme. The event witnessed enthusiastic participation from students and faculty members, creating a vibrant atmosphere of creativity, literature, and performing arts.

The highlight of the event was a mesmerizing stage performance of Shakespeare's celebrated play 'The Tempest' by the students of English Literature at Sharda Auditorium. Directed by Mr. Avijit Solanki, the play showcased a compelling blend of drama, emotion, magic, and live theatrical elements, captivating the audience throughout the performance. The students impressed the audience with their acting skills, stage presence, dialogue delivery, and artistic interpretation of the classic literary work.

The programme reflected the department's continuous efforts to promote literary appreciation, creative learning, and theatrical expression among students. The event not only provided a platform for young performers to showcase their talent but also encouraged students to engage with classical literature in an interactive and meaningful manner.

RNTU Organizes Workshop on Career Readiness and Professional Development

9th to 10th April: **Bhopal**. The Faculty of Management in association with the Career Development Cell, Rabindranath Tagore University (RNTU), organized a two-day workshop on "Career Readiness & Professional Development" on April 9 and 10, 2026. The workshop aimed at enhancing students' employability skills and preparing them for corporate challenges.

The sessions were conducted by Ms. Lata Lalwani, Mr. Jack Johnson, and Ms. Sayanti Adhikari, who guided students on interview preparation, personality development, communication skills, resume writing, LinkedIn profile creation, and emerging recruitment trends including the use of Artificial Intelligence in hiring processes.

Interactive activities such as group discussions, extempore speaking, and presentation exercises were also organized to strengthen students' confidence and professional skills. The programme concluded with a vote of thanks by Dr. Neeta Ghangrekar, Assistant Professor, Faculty of Management.

RNTU Signs MoU with EFSLE for Interdisciplinary and Environmental Studies

30th April: Bhopal. Rabindranath Tagore University (RNTU), Bhopal, through the Faculty of Humanities and Liberal Arts, signed a Memorandum of Understanding (MoU) with the Ecosophical Foundation for the Study of Literature and Environment (EFSLE) to promote interdisciplinary studies in literature, environment, gender, and human rights.

The MoU was signed by Mr. Sameer Chaudhary, Deputy Registrar (Est) on behalf of RNTU and Dr. Rishikesh Kumar Singh, Founder-President of EFSLE. Dr. Ruchi Mishra Tiwari, Dean, Faculty of Humanities and Liberal Arts and Dr. Dilip Kumar Jaiswal, Managing Director of EFSLE and Assistant Professor at the University of Delhi, were also present on the occasion.

A workshop was also organized jointly by RNTU and EFSLE as part of the academic collaboration.

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में विश्व दलहन दिवस पर आयोजित हुआ विशेष शैक्षणिक कार्यक्रम

विशेषज्ञों ने दालों के पोषण महत्व, सतत कृषि एवं दलहन उत्पादन की चुनौतियों पर साझा किए विचार

10th April: भोपाल। रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कृषि संकाय द्वारा विश्व दलहन दिवस के अवसर पर विशेष शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 100 से अधिक विद्यार्थियों ने सहभागिता की। विशेषज्ञों ने दालों के पोषण महत्व, सतत कृषि में उनकी भूमिका तथा दलहन उत्पादन से जुड़ी चुनौतियों पर विचार साझा किए।

मुख्य वक्ता राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर के प्रधान वैज्ञानिक (दलहन) डॉ. ए. एन. टिकले ने दालों को शाकाहारी आहार में प्रोटीन का प्रमुख स्रोत बताते हुए आधुनिक कृषि तकनीकों, उन्नत किस्मों एवं सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कृषि संकाय के अधिष्ठाता प्रो. एच. डी. वर्मा ने की तथा संचालन डॉ. ऋषिकेश मंडलोई ने किया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने दलहन उत्पादन, जलवायु परिवर्तन, कीट एवं रोग प्रबंधन तथा उन्नत फसल तकनीकों से जुड़े प्रश्न पूछे, जिनका विशेषज्ञों ने वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक दृष्टिकोण से समाधान प्रस्तुत किया। अंत में विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने सभी अतिथियों, अध्यापकों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया।

Raman's Green Leads Training Programme on Millet Processing and Innovation

17th to 18th March: Raman's Green Pvt. Ltd., in collaboration with the Agri-Food Biotechnology Incubation and Training Centre (AFBITC), organized a Two-Day Hands-on Training Programme on Millet Processing, Product Innovation and Market Opportunities at Rabindranath Tagore University from 17–18 March 2026. The programme focused on enhancing participants' practical understanding of millet processing technologies, value-added product development, and emerging market prospects. Through expert sessions and hands-on demonstrations, participants explored innovative millet-based products and entrepreneurial opportunities in the rapidly growing millet sector. The initiative reflected the commitment of Raman's Green and AFBITC towards promoting sustainable agriculture, nutrition, innovation, and agri-based entrepreneurship.

Rabindranath Tagore University Organized Faculty Development Programme in Collaboration with Tata Consulting Engineers

Advanced Design Engineering training for Civil, Electrical and Mechanical faculty members from March 21–22, 2026

21st to 23rd March: Bhopal. Rabindranath Tagore University successfully organized a three-day Faculty Development Programme (FDP) on Advanced Design Engineering from March 21 to 23, 2026, in collaboration with Tata Consulting Engineers and with technical support from Bentley Systems. The programme was conducted at the Central Lab, RNTU.

Organized under the guidance of Dr. Aditi Chaturvedi Vats, Pro Chancellor and in the presence of Dr. Sangeeta Jauhari, Registrar the FDP aimed to strengthen faculty competencies in modern digital engineering tools and bridge the gap between academia and industry practices. Faculty members from Civil, Electrical and Mechanical Engineering disciplines participated in the programme.

Experts from Bentley Systems conducted hands-on training sessions on MicroStation CONNECT Edition, 3D modelling, BIM workflows and digital engineering applications through practical demonstrations and project-based learning. Interactive sessions on drawing, design composition, annotation, printing and publishing also formed a major part of the training.

The programme was coordinated by Dr. Pooja Chaturvedi, DR–Academics, RNTU. Participants appreciated the practical learning approach and the relevance of the sessions to current industry requirements.

Health & Hygiene Awareness Session Organized for Mata Shabri Students

Over 100 menstrual cups distributed; students sensitized on menstrual hygiene and infection prevention

14th March: Bhopal, A Health & Hygiene Awareness Session was organized for the students of Mata Shabri Awasiy Kanya Shikshan Parisar on Saturday, March 14, 2026, with the aim of promoting awareness about menstrual hygiene, personal health, and infection prevention among young girls. More than 100 students participated enthusiastically in the programme.

The awareness session was conducted by Dr. Megha Singh, Assistant Professor at Rabindranath Tagore University. During the session, she educated students about menstrual hygiene management, the importance of maintaining personal cleanliness, prevention of infections, and healthy lifestyle practices. She also addressed common myths and misconceptions related to menstruation and encouraged students to adopt safe and hygienic health practices confidently.

As part of the initiative, over 100 menstrual cups were distributed among the students to promote sustainable and eco-friendly menstrual health solutions. The session proved to be highly informative and interactive, helping students gain awareness about health, hygiene, and self-care practices essential for their overall well-being.

YOGOTSAV
INTERNATIONAL YOGA DAY 2026

600 से अधिक प्रतिभागियों की सहभागिता के साथ आर एँन टी यू में मनाया गया योगोत्सव

28th April: भोपाल। रबीन्द्रनाथ टैगोर यूनिवर्सिटी के योग विभाग द्वारा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (IDY 2026) के उपलक्ष्य में "योगोत्सव" कार्यक्रम का भव्य आयोजन आर एँन टी यू के टीएनएसडी ग्राउंड में अत्यंत उत्साह, अनुशासन एवं गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं समाज में योग के प्रति जागरूकता फैलाना तथा स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली को बढ़ावा देना रहा।

यह आयोजन आयुष मंत्रालय एवं मोरारजी देसाई अंतर्राष्ट्रीय योग संस्थान, भारत सरकार द्वारा संचालित "100 दिन – 100 शहर – 100 संस्थान" श्रृंखला के अंतर्गत आयोजित किया गया। देशभर में योग जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चलाए जा रहे इस अभियान में रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय का यह कार्यक्रम 54वाँ पड़ाव रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। योग विभागाध्यक्ष डॉ. रत्नेश पाण्डेय ने स्वागत उद्बोधन देते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा एवं उद्देश्यों की जानकारी दी तथा सभी अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया।

योग विभाग के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत योगासन प्रदर्शन ने सभी उपस्थितजनों को आकर्षित किया। इसके बाद प्रतिभागियों को "कॉमन योगा प्रोटोकॉल" का अभ्यास कराया गया। इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों, एनजीओ, योग साधकों एवं विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं सहित 600 से अधिक प्रतिभागियों ने सक्रिय सहभागिता की।

विश्वविद्यालय की कुलसचिव महोदया डॉ. संगीता जौहरी ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में योग को आत्मानुशासन, सकारात्मकता एवं मानसिक संतुलन का प्रभावी माध्यम बताया। मुख्य अतिथि पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार एवं भारत स्वाभिमान के केंद्र अध्यक्ष स्वामी डॉ. परमार्थ देव जी ने "डिजीज फ्री लाइफ थ्रू योग" विषय पर अपने विचार रखते हुए योग को रोगमुक्त एवं समृद्ध जीवन का आधार बताया।

विशिष्ट अतिथि सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी एवं योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन मध्यप्रदेश के अध्यक्ष श्री वेदप्रकाश शर्मा ने "लाइफ मोटिवेशन" विषय पर प्रेरणादायक उद्बोधन दिया। वहीं आयुष मंत्रालय, नई दिल्ली से पधारे डॉ. रामनारायण मिश्रा ने योग को शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक संतुलन का सशक्त माध्यम बताया।

कार्यक्रम में भारत स्वाभिमान महिला अध्यक्ष मध्यप्रदेश श्रीमती पुष्पांजलि जी, प्रो. डॉ. कप्तान सिंह, डॉ. संजय सिंह तथा प्रोफेसर साधना दौनारिया ने भी योग के विभिन्न आयामों पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन श्री अखिलेश विश्वकर्मा ने कुशलतापूर्वक किया तथा अंत में डॉ. रत्नेश पाण्डेय विभाग अध्यक्ष, योग संकाय एवं श्री निखिल मोदी ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

यह "योगोत्सव" कार्यक्रम योग के माध्यम से स्वस्थ शरीर, शांत मन एवं संतुलित समाज की स्थापना की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुआ।

आरएनटीयू द्वारा एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में विज्ञान जागरूकता कार्यक्रम

28th March: विज्ञान संचार केन्द्र, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल द्वारा 'साइंस अवेयरनेस प्रोग्राम इन ट्राइबल स्कूल्स ऑफ मध्य प्रदेश' परियोजना के अंतर्गत एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय , भोपाल में विज्ञान जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस परियोजना को मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, भोपाल, मध्य प्रदेश सरकार द्वारा प्रायोजित एवं समर्थित किया गया।

कार्यक्रम के अंतर्गत टेलीस्कोप के माध्यम से खगोलीय अवलोकन आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों एवं उपस्थित लोगों ने टेलीस्कोप के माध्यम से चंद्रमा, बृहस्पति एवं उसके चार चंद्रमा का अवलोकन किया और विभिन्न तारामंडल जैसे मृग नक्षत्र, मिथुन एवं वृषभ राशि के बारे मे जानकारी भी प्राप्त की |

इसके साथ ही विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने के उद्देश्य से विभिन्न वैज्ञानिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। विज्ञान प्रदर्शन व्याख्यान के दौरान ड्राई आइस, द्रव्यमान केंद्र, गुरुत्वाकर्षण तथा फैराडे के नियम जैसे विषयों पर रोचक वैज्ञानिक प्रयोग प्रस्तुत किए गए। विद्यार्थियों ने इन प्रयोगों को उत्साहपूर्वक देखा और उनके वैज्ञानिक सिद्धांतों को समझा।

इस कार्यक्रम में केन्द्र के टीम सदस्यों डॉ. अनिल तिवारी, भूपेन्द्र सिंह एवं शुभम राजपूत का महत्वपूर्ण योगदान रहा। विद्यालय के प्राचार्य– श्री अमृत राज झारिया, एवं शिक्षकों वेद प्रकाश पाण्डेय, पूजा शर्मा, भावना पाबनानी, अजय पाल, रवीना सिंह, समृद्धि भारद्वाज, विनोद कुमार, रोहित चौधरी एवं विनय शाक्य तथा समस्त विद्यालय स्टाफ ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहयोग प्रदान किया।

यह कार्यक्रम अत्यंत सफल, ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक रहा, जिसने विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति रुचि एवं वैज्ञानिक सोच को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

Two-Day Case Writing Workshop for Management Students

29th to 30th April : Two-Day Case Writing Workshop has been organized on April 29 and 30, 2026, at Manthan Hall under the Faculty of Management. The workshop aimed to introduce students to the concept and importance of case studies in management education and develop their analytical and decision-making skills. The sessions were conducted by Dr. Vinod M. Lakhwani, Associate Professor and HOD, Faculty of Management, Vivekananda Global University, Jaipur.

The workshop focused on case reading, interpretation, critical analysis, and group discussions. Students participated in self-analysis activities, interactive discussions, and group exercises based on real-life business situations. Dr. Lakhwani guided participants on identifying key issues, understanding different perspectives, and developing logical reasoning through case-based learning. The workshop concluded with a feedback session, vote of thanks, and presentation of a memento to the resource person.

भारतीय काल गणना की वैज्ञानिकता पर रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में गूंजा भारतीय ज्ञान परंपरा का स्वर"

जंतर-मंतर से आधुनिक विज्ञान तक-प्राचीन समय-गणना की सटीकता पर हुआ सारगर्भित विमर्श

14th March: भोपाल। रबींद्रनाथ टैगोर विश्ववोद्यालय भोपाल में भारतीय नववर्ष के पावन अवसर पर "भारतीय नववर्ष एवं भारतीय काल गणना की वैज्ञानिकता" विषय पर एक भव्य एवं ज्ञानवर्धक व्याख्यान का आयोजन कथा सभागार में किया गया। कार्यक्रम का आयोजन संस्कृत प्राच्य भाषा एवं भारतीय ज्ञान परंपरा केंद्र, मानविकी एवं उदार कला संकाय तथा विश्व रंग फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री दीपक शर्मा ने अपने विस्तृत एवं शोधपरक व्याख्यान में भारतीय काल गणना प्रणाली को पावरपॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से अत्यंत प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। उन्होंने जंतर मंतर से प्राप्त खगोलीय उपकरणों एवं संरचनाओं की तस्वीरों के माध्यम से यह स्पष्ट किया कि प्राचीन भारत में समय-गणना केवल परंपरा नहीं, बल्कि खगोल विज्ञान और गणितीय सटीकता पर आधारित एक विकसित वैज्ञानिक प्रणाली थी।

उन्होंने 'युगाब्द' एवं 'होरा' जैसे सूक्ष्म समय-मानकों की विस्तार से व्याख्या करते हुए बताया कि भारतीय काल गणना पद्धति अत्यंत वैज्ञानिक एवं सुसंगत है। साथ ही उन्होंने उपनिवेशवादी काल में अंग्रेजों की नीतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा को कमजोर करने के प्रयास किए गए, किंतु इसकी प्रासंगिकता आज भी अक्षुण्ण बनी हुई है। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. अमिताभ सक्सेना,कार्यकारी निदेशक (ITDPR) ने की। उन्होंने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में भारतीय ज्ञान परंपरा में काल गणना को वर्तमान समय के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया

कार्यक्रम के शुभारंभ में डॉ. सावित्री सिंह परिहार द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शैलेन्द्र सिंह द्वारा किया गया, जिन्होंने पूरे आयोजन को सुव्यवस्थित एवं प्रभावशाली रूप से आगे बढ़ाया। अंत में आभार प्रदर्शन कुलसचिव डॉ. संगीता जौहरी द्वारा किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्राध्यापकगण, शोधार्थी एवं छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

RNTU Students Excel at Inter-Institutional Speech Competition

10th April: Students of Rabindranath Tagore University showcased their oratory skills at a speech competition organized by the Indian Society for Training and Development (ISTD) at Bharatiya Vidya Bhavan, MP Nagar, on 10 April 2026. The competition was held on the theme "Sustainable Development and Indian Knowledge System Insights of Ramayana" and witnessed participation from 35 students representing seven institutions across Bhopal.

Five students from RNTU participated in the event and delivered insightful presentations linking contemporary sustainability challenges with the wisdom embedded in the Ramayana. Among the achievers, Sanskriti Maheshwari (BPT) secured the Overall Second Position, while Mihir Kasera of Tagore National School of Drama emerged as the highest-ranking participant from RNTU. Their achievement reflects the university's commitment to academic excellence, critical thinking, and effective communication.

Industrial Visits

Paramedical Students of RNTU Visit Biomedical Waste Management Plant in Mandideep

16th March: Bhopal. The Department of Paramedical Sciences at Rabindranath Tagore University (RNTU), Bhopal, organized an industrial visit to the Biomedical Waste Management Plant of India Waste Management Private Limited, Mandideep, with the objective of enhancing students' practical knowledge and industry exposure.

The educational visit was conducted under the guidance of C. P. Mishra, Dean, and Dr. Avinash Singh, HOD, Department of Paramedical Sciences. The programme was coordinated by faculty members Ms. Pooja Nagotra, Ms. Vandana Sen, Ms. Yashoda Sahu, Ms. Viveka Gautam, and Mr. Raj Lovanshi.

Around 40 students from the Department of Paramedical Sciences participated in the industrial visit. During the programme, students received detailed information regarding the collection, transportation, segregation, treatment, and safe disposal of biomedical waste. The experts at the plant also explained the importance of scientific waste management practices in maintaining environmental safety and public health.

The visit provided students with valuable practical exposure related to their academic curriculum and helped them understand the operational processes involved in biomedical waste management systems. The initiative was appreciated by the students as an enriching learning experience that bridged the gap between theoretical knowledge and practical application.

Faculty of Management Organizes Industrial Visit to Parle-G Manufacturing Unit

21st April: Bhopal. The Marketing Club of Faculty of Management (RNTU), Bhopal, organized an industrial visit to LM Bakers Pvt. Ltd., a manufacturing unit of Parle-G Pvt. Ltd., Mandideep, on April 21, 2026. The visit was conducted under the guidance of Dr. Milind Limaye, Associate Professor, and Dr. Kriti Saxena, Assistant Professor, Department of Management.

During the visit, students observed various stages of biscuit manufacturing, including dough preparation, baking, quality control, and packaging. They also learned about advanced production technologies, hygiene standards, and operational management practices. The visit provided valuable practical exposure and industry-oriented learning experience to the students.

A major highlight of the visit was the observation of Asia's largest oven, measuring nearly 260 feet in length, installed at the manufacturing facility. The visit provided students with valuable industry-oriented learning and enhanced their understanding of practical aspects of production and operations management.

टैगोर नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा के विद्यार्थियों की प्रस्तुति ने दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

'दिल्ली दरबार' से 'वीर अभिमन्यु' तक पांच प्रतिष्ठित नाटकों की प्रभावशाली मंच प्रस्तुति

22nd April: भोपाल। रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय स्थित टैगोर नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा के चौथे बैच के विद्यार्थियों द्वारा आयोजित क्लास प्रेजेंटेशन का सफलतापूर्वक समापन हुआ। ड्रामा स्कूल परिसर में आयोजित इस विशेष प्रस्तुति में विद्यार्थियों ने अपनी अभिनय प्रतिभा, मंच कौशल एवं रचनात्मक अभिव्यक्ति का प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

प्रस्तुति के दौरान विद्यार्थियों ने पांच प्रतिष्ठित नाटकों—'दिल्ली दरबार', 'मशरिकी हूर', 'यहूदी की लड़की', 'लैला मजनूं' और 'वीर अभिमन्यु'—का मंचन किया। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने भारतीय रंगमंच की विविधता, भावनात्मक गहराई और ऐतिहासिक-सांस्कृतिक संवेदनाओं को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। दर्शकों ने सभी प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए विद्यार्थियों के अभिनय और मंच संचालन की प्रशंसा की।

पूरे प्रशिक्षण एवं प्रस्तुति का निर्देशन प्रसिद्ध रंगकर्मी जफर संजरी द्वारा किया गया। उन्होंने विद्यार्थियों को अभिनय, संगीत एवं मंचीय अभिव्यक्ति के विभिन्न आयामों से परिचित कराया। सह-निर्देशक के रूप में ए. एस ठाकुर ने भी विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। दोनों विशेषज्ञों के निर्देशन एवं मार्गदर्शन ने विद्यार्थियों के लिए इस प्रस्तुति को एक महत्वपूर्ण शिक्षण अनुभव बना दिया।

कार्यक्रम ने विद्यार्थियों को व्यावहारिक रंगमंचीय अनुभव प्रदान करने के साथ उनकी रचनात्मक क्षमता एवं आत्मविश्वास को भी सशक्त किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने दर्शकों एवं आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया। बड़ी संख्या में उपस्थित दर्शकों ने प्रस्तुति को यादगार और प्रेरणादायक बताया।

टैगोर राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय में अलेक्जेंडर तकनीक पर अभिनय कार्यशाला आयोजित

जर्मनी की विशेषज्ञ लिया नायमी ने विद्यार्थियों को अभिनय एवं शारीरिक अभिव्यक्ति के गुर सिखाए

6th to 14th March: भोपाल। अभिनय एवं रंगमंचीय कौशल विकास की श्रृंखला के अंतर्गत 6 से 14 मार्च 2026 तक "अलेक्जेंडर तकनीक ऑफ एक्टिंग" विषय पर विशेष कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का संचालन जर्मनी की रंगकर्मी एवं प्रशिक्षक लिया नायमी ने किया।

कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों को अलेक्जेंडर तकनीक के सिद्धांतों एवं व्यावहारिक पहलुओं से परिचित कराया गया। यह तकनीक शरीर की मुद्रा में सुधार, अनावश्यक तनाव को कम करने तथा स्वाभाविक शारीरिक संतुलन विकसित करने पर आधारित है। प्रशिक्षक ने बताया कि एक अभिनेता के लिए शरीर और आवाज दोनों ही महत्वपूर्ण अभिव्यक्ति के माध्यम हैं, इसलिए उनके बीच सामंजस्य स्थापित करना आवश्यक है। कार्यशाला में विद्यार्थियों ने विभिन्न अभ्यासों के माध्यम से अपनी शारीरिक आदतों को समझने, शरीर की जकड़न को दूर करने तथा श्वास और गति पर बेहतर नियंत्रण विकसित करने का प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रतिभागियों को मंच पर सहजता, संतुलन, स्पष्टता और प्रभावी उपस्थिति विकसित करने की तकनीकें भी सिखाई गईं। यह कार्यशाला विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण सीखने का अवसर सिद्ध हुई, जिसने उन्हें अभिनय की सूक्ष्मताओं को समझने और अपनी प्रस्तुति को अधिक स्वाभाविक एवं प्रभावशाली बनाने में सहायता प्रदान की।

टैगोर राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय में रंगमंचीय मेकअप कार्यशाला आयोजित

कोलकाता के विशेषज्ञ डॉ. संजय सामंता ने विद्यार्थियों को रंगमंचीय मेकअप की बारीकियां सिखाईं

16th to 25th March: भोपाल। रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के टैगोर राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय द्वारा 16 से 25 मार्च 2026 तक कौशल विकास के उद्देश्य से दस दिवसीय रंगमंचीय मेकअप कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का संचालन कोलकाता के प्रसिद्ध रंगकर्मी एवं मेकअप विशेषज्ञ डॉ. संजय सामंता ने किया।

कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों को थिएटर मेकअप की विभिन्न तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने बताया कि रंगमंचीय मेकअप केवल सौंदर्य बढ़ाने का माध्यम नहीं, बल्कि किसी पात्र के व्यक्तित्व, आयु, भाव-भंगिमा और चरित्र को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने की महत्वपूर्ण कला है। प्रतिभागियों को कंटूरिंग, हाइलाइटिंग, कैरेक्टर मेकअप डिज़ाइन तथा मंचीय प्रकाश के अनुरूप मेकअप की तकनीकों से अवगत कराया गया।

कार्यशाला ने विद्यार्थियों को रंगमंचीय प्रस्तुति के तकनीकी पहलुओं को समझने का अवसर प्रदान किया तथा उनके व्यावसायिक कौशल को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

HAPPY WORLD THEATRE DAY

विश्व रंगमंच दिवस पर टैगोर राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय में 'चतुरंग' का आयोजन

विलेम डैफो के विश्व रंगमंच दिवस संदेश का हुआ वाचन, भारतीय संगीत परंपरा को समर्पित रही प्रस्तुति

27th March: भोपाल। विश्व रंगमंच दिवस के अवसर पर रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के टैगोर राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय द्वारा "चतुरंग" कार्यक्रम का आयोजन मुक्तधारा सभागार में किया गया। भारतीय संगीत की समृद्ध परंपरा को समर्पित इस आयोजन में विद्यार्थियों, कलाकारों एवं रंगकर्मियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण विश्व रंगमंच दिवस 2026 के लिए प्रसिद्ध अमेरिकी अभिनेता एवं रंगकर्मी विलेम डैफो द्वारा दिए गए अंतरराष्ट्रीय संदेश का वाचन रहा। अंग्रेजी भाषा में संदेश का वाचन दक्ष कौशिक तथा हिंदी भाषा में सुमित द्वारा किया गया। संदेश में रंगमंच की सामाजिक भूमिका, मानवीय संवेदनाओं को सशक्त बनाने में उसकी क्षमता तथा बदलते वैश्विक परिदृश्य में थिएटर की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला गया।

वक्ताओं ने बताया कि रंगमंच केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज को संवाद, संवेदना और आत्ममंथन की दिशा प्रदान करने वाली सशक्त सांस्कृतिक विधा है। विश्व रंगमंच दिवस का संदेश कलाकारों और दर्शकों के बीच रचनात्मक संबंधों को और अधिक मजबूत बनाने का आह्वान करता है।

इस अवसर पर आयोजित "चतुरंग" कार्यक्रम में भारतीय संगीत और रंग परंपरा के विविध आयामों को प्रस्तुत किया गया। विद्यार्थियों ने अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए भारतीय सांस्कृतिक विरासत की समृद्धि को मंच पर साकार किया। कार्यक्रम ने कला, संस्कृति और रंगमंच के प्रति युवाओं की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए उपस्थित दर्शकों को एक यादगार अनुभव प्रदान किया।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस विशेष :

सम्मान, स्वास्थ्य, नेतृत्व और उत्सव के साथ नारी शक्ति का अभिनंदन

'नारी उत्सव' में दिखी प्रतिभा, आत्मविश्वास और एकता की सशक्त अभिव्यक्ति

14th March: भोपाल। महिला दिवस समारोह के अंतर्गत विश्वविद्यालय परिसर में "सेलिब्रेटिंग वूमनहुड विद जॉय एंड यूनिटी" थीम पर विशेष फन डे एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं, शिक्षिकाओं एवं महिला कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी रचनात्मकता, प्रतिभा तथा नेतृत्व क्षमता का प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर विभिन्न मनोरंजक खेलों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, संगीत, नृत्य, टीम गतिविधियों तथा पारंपरिक परिधान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रमों में भाग लेते हुए महिला एकता, आत्मविश्वास और सकारात्मक ऊर्जा का परिचय दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को एक ऐसा मंच प्रदान करना था, जहां वे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के साथ-साथ आपसी संवाद, सहयोग और सामूहिक नेतृत्व की भावना को भी मजबूत कर सकें।

पूरे दिन चले इस उत्सव ने विश्वविद्यालय परिसर को उल्लास, उत्साह और प्रेरणा से भर दिया। कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि जब महिलाओं को समान अवसर, सम्मान और सहयोग प्राप्त होता है, तो वे समाज और राष्ट्र के विकास में अभूतपूर्व योगदान दे सकती हैं। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित इन विविध कार्यक्रमों ने महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य जागरूकता, सामाजिक सहभागिता और नेतृत्व विकास के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को प्रभावी रूप से प्रदर्शित किया।

महिला दिवस पर साइक्लोथॉन के माध्यम से दिया स्वास्थ्य, पर्यावरण और महिला सशक्तिकरण का संदेश

8th April: भोपाल। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विस्तार न्यूज़ एवं रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के सहयोग से एक भव्य साइक्लोथॉन का आयोजन किया गया। इस जन-जागरूकता अभियान में विद्यार्थियों, महिलाओं, युवाओं तथा शहरवासियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए स्वास्थ्य, फिटनेस, पर्यावरण संरक्षण और महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया। कार्यक्रम में विधायक श्री भगवानदास सबनानी एवं भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय की गरिमामयी उपस्थिति रही। रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय की कुलसचिव डॉ. संगीता जौहरी ने भी साइक्लोथॉन में अपनी सहभागिता दर्ज कराते हुए स्वस्थ एवं जागरूक समाज निर्माण का संदेश दिया। विश्वविद्यालय की ओर से एनसीसी अधिकारी श्री मनोज सिंह मनराल कार्यक्रम के समन्वयक रहे।

साइक्लोथॉन के माध्यम से प्रतिभागियों ने स्वस्थ जीवनशैली, स्वच्छ पर्यावरण और महिला सम्मान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। यह आयोजन सामाजिक जागरूकता, सामुदायिक सहभागिता और महिला सशक्तिकरण का प्रेरणादायी उदाहरण बना।

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय एवं सम्मान (SVD) NGO द्वारा 8वां महिला उत्कृष्टता पुरस्कार समारोह आयोजित

07th March: भोपाल। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग एवं सम्मान एनजीओ समूह के संयुक्त तत्वावधान में 8वें महिला उत्कृष्टता पुरस्कार 2026 का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर रही महिलाओं के योगदान को सम्मानित करना तथा नई पीढ़ी को उनसे प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित करना था।समारोह में शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सेवा, महिला सशक्तिकरण, उद्यमिता, ग्रामीण विकास एवं सामुदायिक नेतृत्व जैसे विविध क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि महिलाएं केवल परिवार और समाज की आधारशिला ही नहीं हैं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की महत्वपूर्ण शक्ति भी हैं। कार्यक्रम के दौरान सम्मानित महिलाओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए संघर्ष, समर्पण और सफलता की प्रेरक कहानियां प्रस्तुत कीं। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को और अधिक आकर्षक बनाया तथा महिला शक्ति के प्रति सम्मान और जागरूकता का संदेश दिया।

RNTU HOSTS INSPIRING DIALOGUE WITH DR. PALLAVI RAO CHATURVEDI ON WOMEN LEADERSHIP AND PARENTING IN THE DIGITAL ERA

14th March: Bhopal: Rabindranath Tagore University organized a special session titled "Dialogue with Dr. Pallavi Rao Chaturvedi", hosted by Dr. Naish Zameer, HOD, Institute of Law, providing students and faculty with valuable insights into women leadership, entrepreneurship, and the evolving dynamics of parenting in the digital era.

Addressing the gathering, Dr. Pallavi Rao Chaturvedi emphasized the importance of self-growth and self-empowerment, stating that empowered women play a vital role in strengthening families and society. She encouraged aspiring entrepreneurs to build ventures with patience, perseverance, and a long-term vision rather than being influenced by short-term trends. Highlighting the demands of the modern professional landscape, she stressed the significance of critical thinking, creativity, communication, and collaboration as essential skills for higher education and career success.

Drawing from her parenting initiatives, "Get Set Parent" and "Parenting with Pallavi," Dr. Chaturvedi discussed the growing influence of technology and artificial intelligence on children's upbringing. She underscored the need for mindful parenting and balanced digital exposure to help children develop responsibly in today's technology-driven world.

Speaking about the vision and journey of the AISECT Group, Dr. Chaturvedi highlighted its enduring commitment to education and youth empowerment. She noted that unlike many educational institutions that evolved from business enterprises, AISECT has remained education-centric since its inception, working with the mission of expanding quality learning opportunities across the country.

The session concluded with an engaging interaction between Dr. Chaturvedi and the participants, followed by a brief introduction to her upcoming book, Equal Parenting, which is scheduled to be published by Penguin Random House.

संस्कृति, सृजन और वैश्विक सहभागिता का उत्सव बना 'रिदम 2K26' एवं अफ्रो फेस्ट

30th March to 04th April: रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में आयोजित वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव "रिदम 2K26" का शुभारम्भ भव्य चल समारोह, पारंपरिक वेशभूषाओं और ढोल-नगाड़ों की गूंज के साथ हुआ। प्रशासनिक भवन से शारदा सभागार तक निकली थीम आधारित शोभायात्रा में विद्यार्थियों ने भारतीय संस्कृति की विविधता को राजसी एवं पारंपरिक परिधानों, आकर्षक झांकियों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। रंग-बिरंगे परिधानों, सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों और विद्यार्थियों के उत्साह ने पूरे परिसर को उत्सवमय बना दिया। उद्घाटन समारोह दीप प्रज्वलन एवं गणेश वंदना के साथ प्रारंभ हुआ, जिसके पश्चात सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने वातावरण को संगीतमय और उल्लासपूर्ण बना दिया।

महोत्सव के अंतर्गत 'बौद्धिक प्रतियोगिता', 'मानव कैनवास', 'द मेट देसी – राजसी संस्करण फैशन शो', 'फोकस ऑन अर्थ', 'पृथ्वी रक्षक नुक्कड़ नाट्य प्रतियोगिता', 'क्रिएटिव एक्सप्रेशन – मेरा राज्य', 'रंग उत्सव', 'बिना अग्नि पाक कला', 'एआई इनोविजन', 'कैड डिज़ाइन', 'ताल तरंग', 'रंग-ए-हीना', 'रोबो रेस' और 'आइडियाथॉन' जैसी सांस्कृतिक एवं तकनीकी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं ने विद्यार्थियों को अपनी रचनात्मकता, तकनीकी दक्षता और सांस्कृतिक प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान किया।

इस वर्ष महोत्सव की थीम "इको फ्यूजन" रही, जिसमें पर्यावरण संरक्षण और सांस्कृतिक विविधता का सुंदर समन्वय देखने को मिला। छात्र गतिविधि परिषद (SAC) के तत्वावधान में आयोजित इस महोत्सव में "एक भारत श्रेष्ठ भारत" क्लब की विशेष भूमिका रही। क्लब द्वारा आयोजित "माय आरएनटीयू लोगो चैलेंज" एवं "क्रिएटिव एक्सप्रेशन : माय स्टेट" प्रतियोगिताओं ने सभी का ध्यान आकर्षित किया।

इसके अतिरिक्त महोत्सव के सफल आयोजन में विश्वविद्यालय के विभिन्न छात्र क्लबों — लिटरेरी क्लब, ड्रामा एंड थिएटर क्लब, रेनबो क्लब, फाइन आर्ट्स क्लब, टेक्निकल क्लब, कल्चरल क्लब एवं अन्य छात्र समूहों की सक्रिय भूमिका रही। इन क्लबों द्वारा आयोजित विविध प्रतियोगिताओं एवं गतिविधियों ने न केवल विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, बल्कि भोपाल के विभिन्न विश्वविद्यालयों से आए प्रतिभागियों को भी आकर्षित किया। रचनात्मक, सांस्कृतिक एवं तकनीकी आयोजनों से पूरा परिसर ऊर्जा, उत्साह और जीवंतता से सराबोर दिखाई दिया, जिसने "रिदम 2K26" को विद्यार्थियों की प्रतिभा और सहभागिता का एक यादगार उत्सव बना दिया।

रिदम 2K26' के अंतर्गत आयोजित "अफ्रो फेस्ट" लगातार तीसरे वर्ष अत्यंत भव्यता और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस आयोजन में आरएनटीयू के अफ्रीकी विद्यार्थियों सहित भोपाल के विभिन्न विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत अफ्रीकी छात्रों ने सक्रिय सहभागिता की। ऊर्जावान नृत्य प्रस्तुतियों, मधुर संगीत, आकर्षक फैशन शो और लाइव बैंड परफॉर्मेंस ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में अफ्रीकी संस्कृति और आधुनिक अभिव्यक्तियों का अनूठा संगम देखने को मिला। नाट्य प्रस्तुतियों एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों को दर्शकों ने भरपूर सराहना दी।

कार्यक्रम विश्वविद्यालय के प्रति कुलाधिपति डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स, कुलपति प्रो. रवि प्रकाश दुबे एवं कुलसचिव डॉ. संगीता जौहरी के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। अंतरराष्ट्रीय मामलों की अधिष्ठाता डॉ. रितु कुमारन के सफल समन्वयन ने आयोजन को विशेष रूप से यादगार बना दिया।

महोत्सव के अंतिम दिवस आयोजित भव्य समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में ग्रुप कैप्टन आलोक श्रीवास्तव, निदेशक, एनसीसी निदेशालय मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे सांस्कृतिक आयोजन युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ-साथ नेतृत्व, अनुशासन और टीम भावना विकसित करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों की ऊर्जा, रचनात्मकता एवं विश्वविद्यालय के आयोजन कौशल की सराहना की।

महोत्सव के समापन अवसर पर आयोजित **सेलेब्रिटी नाइट में स्ट्रीट जैमर बैंड** ने अपनी शानदार प्रस्तुति से पूरे परिसर को संगीत की धुनों से सराबोर कर दिया। "देवा-देवा", "कबीरा", "हवाएं", "दिल से" और "मेरे महबूब" जैसे लोकप्रिय गीतों की प्रस्तुति पर विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। लाइव बैंड, आकर्षक लाइट शो और संगीत से सजी इस शाम ने आयोजन को भव्य कॉन्सर्ट का रूप दे दिया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री संतोष चौबे, एसजीएसयू के कुलाधिपति डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी, प्रति कुलाधिपति डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स, कुलपति प्रो. रवि प्रकाश दुबे, आईसेक्ट की ईवीपी डॉ. पल्लवी राव चतुर्वेदी, प्रो-वाइस चांसलर डॉ. संजीव गुप्ता, आईक्यूएसी निदेशक डॉ. नितिन वत्स एवं कुलसचिव डॉ. संगीता जौहरी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

महोत्सव के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया गया। एनसीसी, एनएसएस, युवाज़, ई-एंड-आई सेल, आरएनटीयू कल्चरल क्लब तथा एआईसी से जुड़े विद्यार्थियों को विशेष सम्मान प्रदान किया गया। समग्र प्रदर्शन के आधार पर ओवरऑल ट्रॉफी टीएनएसडी संकाय ने अपने नाम की, जबकि अभियांत्रिकी एवं मानविकी संकाय संयुक्त रूप से उपविजेता रहे।

पूरे सप्ताह चले "रिदम 2K26" एवं "अफ्रो फेस्ट" ने कला, संस्कृति, नवाचार, तकनीक और वैश्विक सहभागिता का अद्भुत संगम प्रस्तुत करते हुए विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा निखारने, सांस्कृतिक विविधता को समझने और रचनात्मक अभिव्यक्ति का मंच प्रदान किया।

VELOCITY 2026 CONCLUDES WITH ENTHUSIASTIC PARTICIPATION AND OUTSTANDING PERFORMANCES

29th March: The three-day annual sports festival, Velocity 2026, concluded at Rabindranath Tagore University with enthusiastic participation from students across various faculties. Organized as part of the Annual Fest Rhythm 2026, the event showcased talent, determination, teamwork, and sporting excellence through a wide range of athletic and indoor competitions.

The event was inaugurated in the presence of Vice-Chancellor, Prof. (Dr.) R. P. Dubey, Pro-Vice Chancellor Dr. Sanjeev Gupta, Registrar Dr. Sangeeta Jauhari, and distinguished guests from Royal Nimar Eagles, including Mr. G. Satish Kumar and Mr. Sanjay Pandey, who encouraged students to embrace discipline, fitness, teamwork, and sportsmanship.

Among the highlights, Risham and Priya Dubey emerged winners in the boys' and girls' Table Tennis categories, respectively, while Mihit Kasera and Aarchi Duseja secured top positions in Chess. In athletics, Aman Goswami won the boys' 100-metre race, and Diksha secured first place in the girls' event. The festival also featured exciting competitions in volleyball, basketball, cricket, tug of war, and kho-kho.

Addressing the closing ceremony, Vice-Chancellor Prof. (Dr.) R. P. Dubey congratulated the winners and appreciated the successful organization of the event. He emphasized that sports play a vital role in developing discipline, teamwork, perseverance, and leadership qualities among students.

The event concluded with the felicitation of winners and participants, celebrating the values of fair play, fitness, and holistic development.

ROYAL NIMAR EAGLES CONDUCT SUCCESSFUL CRICKET TRIALS ACROSS MADHYA PRADESH

Bhopal. Royal Nimar Eagles, the MPL team of AISECT India, successfully organized a series of cricket trials across Madhya Pradesh to identify and promote emerging cricket talent. The initiative aimed to provide aspiring players with an opportunity to showcase their skills and compete for selection at a higher level.

The first men's trial was conducted at the cricket ground of Awadhesh Pratap Singh University, Rewa, and witnessed the participation of more than 200 players from different regions. MPL Observer Mr. Shakeel Khan was present on the occasion. Addressing the participants, Chief Guest Dr. M. K. Dholpuri, Divisional Sports Officer, Rewa Division, highlighted the importance of such talent-hunt initiatives in creating pathways for young cricketers and encouraging them to pursue excellence in sports. The event received an enthusiastic response and showcased the growing interest in competitive cricket among the youth of the region.

Continuing the talent identification drive, the second men's trial was organized on 16 March 2026 at the cricket ground of Scope Global Skills University. The trial attracted a large number of aspiring cricketers who displayed their batting, bowling, fielding, and overall match skills before the selection panel. The event provided participants with valuable exposure and an opportunity to demonstrate their potential on a professional platform.

In a significant step towards promoting women's participation in cricket, Royal Nimar Eagles also organized a dedicated women's trial on 25 April 2026 at the cricket ground of Scope Global Skills University. The trial witnessed enthusiastic participation from talented women cricketers eager to showcase their abilities and pursue opportunities in competitive cricket. The initiative reflected the team's commitment to encouraging women's sports and creating equal opportunities for female athletes. Shri Siddharth Chaturvedi, Chancellor of Scope Global Skills University, was present during the event and appreciated the initiative. He commended the efforts of Royal Nimar Eagles in creating opportunities for aspiring women cricketers and emphasized the importance of such platforms in encouraging greater participation of women in sports and fostering sporting excellence.

The successful conduct of these trials reaffirmed Royal Nimar Eagles' commitment to nurturing sporting talent and strengthening the cricket ecosystem in Madhya Pradesh by providing aspiring players with opportunities to advance their sporting careers.

RNTU Organizes Lual Memorial Football Match to Celebrate Friendship, Unity, and Legacy

17th March: Rabindranath Tagore University paid a heartfelt tribute to its late international student, Lual, through the organization of the RNTU Lual Memorial Football Match on 17 March 2026. Hosted by the University's International Cell, the event brought together students, faculty members, and members of the African student community to honor the memory of Lual, a BALLB student whose warmth, friendship, and vibrant spirit left a lasting impact on the university community.

The memorial match served as a symbol of unity, camaraderie, and cultural bonding, reflecting the values that Lual embodied during his time at RNTU. Students participated with great enthusiasm, remembering him through sportsmanship and collective solidarity. Members of the international student community shared fond memories and paid tribute to his life and contributions to campus life.

The event highlighted the university's commitment to fostering an inclusive and supportive environment for students from across the globe. More than just a football match, the gathering became a meaningful celebration of friendship, resilience, and enduring connections that transcend borders, keeping Lual's memory alive in the hearts of the RNTU family.

Research, Innovation and Impact:
The Scientific Journey of Dr. Sudeshna Ray

Dr. Sudeshna Ray
Centre Head and Coordinator of the Advanced Materials Research Centre (AMRC)

Dr. Sudeshna Ray is a distinguished academician, researcher, and scientist in the fields of Materials Science and Materials Engineering. She is currently serving as the Centre Head and Coordinator of the Advanced Materials Research Centre (AMRC) at Rabindranath Tagore University. With a strong interdisciplinary research background and extensive international exposure, Dr. Ray has established herself as a leading contributor in advanced materials research, particularly in areas supporting national strategic development, defence technologies, and sustainable industrial innovation.

Dr. Ray completed her Ph.D. from the Department of Chemistry, IIT Kharagpur in 2009. Thereafter, she pursued postdoctoral research in Spain at Universitat Politcnica de Valncia and Universidad de La Laguna (2009–2010), followed by further postdoctoral research at Tohoku University, Japan (2010–2012) and National Chiao Tung University, Taiwan (2012–2013). Her academic journey reflects a deep commitment to scientific excellence, innovation, and practical problem-solving.

Her work lies at the intersection of Chemistry, Physics, Biotechnology, Microbiology, and Engineering, enabling the development of high-performance advanced materials for both defence and civilian applications. Under her leadership, the Advanced Materials Research Centre has emerged as a vibrant platform for cutting-edge research focused on the design of indigenous materials aligned with India's vision of technological self-reliance and the mission of Atmanirbhar Bharat.

Dr. Ray's research focuses on the design, synthesis, and application of advanced functional materials, including nanomaterials and composite materials with specialized properties such as luminescence, hydrophobicity, anti-corrosion, flame retardancy, antimicrobial activity, and photocatalytic efficiency. Her research contributions span sustainable anti-corrosive coatings, anti-fouling marine coatings, forensic materials, green hydrogen technologies, and advanced defence materials. She has also ventured into the development of photocatalysts for remediation of soluble inorganic contaminants and for green hydrogen generation through water splitting.

A key paradigm of her research is the development of rational guidelines for screening known materials for useful functions and creating new functional materials through the understanding and control of structure–composition–property relationships. She also works on enhancing the performance of existing materials by exploiting the interplay between additives, surface-functionalizing agents, and material matrices. Her work is strongly application-oriented, aimed at delivering scalable, cost-effective, and import-substitute materials for real-world use.

Dr. Ray has successfully led and contributed to several prestigious research projects funded by major national and international agencies. She is currently associated with a DRDO CARS Project titled "Crystal Engineering Mediated Development of Spherical Ammonium Perchlorate" worth 49.61 lakh, focused on developing spherical oxidant as an ingredient of solid composite rocket propellant. She has also completed two DRDO-funded projects, including surface modification of ultrafine ammonium perchlorate for increased storage and transport stability and the development of pyrophoric metal-ceramic composite materials for smart flare systems as IR countermeasures. These projects reflect her expertise in strategic research areas of national importance.

In addition, Dr. Ray has served as Principal Investigator for projects funded by MPCOST and has contributed to an international DST Indo-Taiwan collaborative project on luminescence materials for photon management to improve dye-sensitized solar cell efficiency. As an external investigator, she also completed a Spanish Ministry-funded project (2016–2019).

Her scholarly contributions are equally noteworthy. Dr. Ray has published 33 research papers, including 23 papers in internationally reputed SCI-indexed journals and 10 conference proceedings published in prestigious scientific platforms, including those indexed by Scopus, CRC Press, and the DRDO-HEMSI International Conference. She has also contributed as one of the editors of three edited books published by CRC Press. Her innovative work has resulted in two granted patents and one published patent in collaboration with DRDO, reflecting her strong contribution to scientific innovation and technology development.

Over the years, Dr. Ray has built robust collaborative networks with premier national and international institutions. Her research collaborations include IIT Delhi, IIT Kanpur, IISER Bhopal, CSIR-AMPRI, CSIR-CCMB, BARC, and several DRDO laboratories, including HEMRL, CFEES, and TBRL. Internationally, she has collaborated with UPV and ULL, Spain, strengthening global research partnerships and interdisciplinary scientific exchange.

Beyond research, Dr. Ray is deeply committed to academic mentorship and student development. She has guided students from Biotechnology, Microbiology, Engineering, Physics, and Chemistry in interdisciplinary research projects and internships. Under her mentorship, students have worked on projects involving nanoparticle synthesis and characterization, Egyptian-mummy-inspired antibacterial coatings, flame-retardant materials, anti-fouling marine coatings, and multifunctional ice-phobic, antimicrobial, and photocatalytic materials for sustainable applications.

Dr. Ray's outstanding contributions have earned her significant national recognition. She received the Armament Research Board–DRDO Award in 2022 for her contribution to the development of pyrophoric metal-ceramic composite materials for smart flare systems. The pyrophoric material reported in the published patent—where Chairman DRDO and Rabindranath Tagore University are applicants and Dr. Ray is one of the inventors—is, to the best of current knowledge, the first reported synthesis of pyrophoric materials in India. In 2025, her project was again recognized by the Armament Research Board–DRDO under the category of "Significant Achievements", underscoring the strategic relevance of her work in defence materials research.

With a vision to establish the Advanced Materials Research Centre as a leading hub of scientific excellence, Dr. Sudeshna Ray continues to inspire innovation through research, collaboration, and mentorship. Her commitment to developing indigenous technologies, sustainable materials, and high-impact scientific solutions reflects her dedication to national growth, industrial advancement, and societal progress. Through her remarkable contributions, she continues to strengthen the research ecosystem at Rabindranath Tagore University and contribute significantly to the advancement of science and technology.

RNTU Rabindranath TAGORE UNIVERSITY
A part of aisect india Bhopal, Madhya Pradesh
Village Mendua, Post-Bhojpur, Chiklod Road,
Near Bangrasia, Bhopal- 464993 (M.P.)
Ph.: 0755-2700400 | Email: info@rntu.ac.in

Patron
Shri Santosh Choubey, Chancellor
Dr. Aditi Chaturvedi Vats, Pro-Chancellor
Dr. R.P. Dubey, Vice-Chancellor
Dr. Nitin Vats, Director AIC RNTU
Dr. Sangeeta Jauhari, Registrar

Editorial Team
Editors : Mr. Anshul Soni, Ms. Shreya Sharma
Copywriters : Mr. Vijay Pratap Singh, Mr. Vikas Trivedi
Design : Mr. Pradeep Gujar
Photography : Mr. Upendra Patne